कृषि विज्ञान केन्द्र, निम्बूडेरा द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत उत्तर एवं मध्य अंडमान में निम्बूडेरा स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की पूर्व संध्या पर एक कृषक संगोष्ठी का आयोजन आँगनवाड़ी प्रांगण में दिनांक २७ फरवरी को किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा० बी० ए० जेरार्ड ने किसान भाइयों एवं किसान महिलाओं को सम्बोधित किया एवं उनके साथ विभिन्न विषयों पर परिचर्चा की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डा० शार्दुल विक्रम लाल, विषय वस्तु विशेषज्ञ (पशु विज्ञान) ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कृषक बन्धुओं की तरफ से वरिष्ठ एवं प्रगतिशील कृषक श्री विमल गाइन जी ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अपनी अपेक्षाओं को व्यक्त किया। संस्थान के निदेशक डा० बी० ए० जेरार्ड ने किसान भाइयों एवं किसान महिलाओं का अभिवादन करते हुए विज्ञान द्वारा मानव जीवन को सरल एवं बेहतर बनाये जाने पर प्रकाश डाला। साथ ही साथ कृषि में विज्ञान की भूमिका को परिलक्षित किया। निदेशक महोदय द्वारा यह भी बताया गया की मौजूदा समय में जब अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र जो कोरोना महामारी नकारात्मक रूप से प्रभावित थे तब केवल एक कृषि क्षेत्र ने ही देश की अर्थव्यवस्था के विकास को थामे रखा, अतः सभी कृषक बंधु एवं कृषक महिलाएं धन्यवाद एवं बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा की कृषि विज्ञान केन्द्र, विज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण संस्थान है, विज्ञान का केवल एक ही धर्म है , मानवता का विकास। सभी का आह्वान किया की सभी कृषक किसी भी जानकारी एवं मार्गदर्शन हेतु कभी भी हमारे कृषि विज्ञान केंद्र व संस्थान से सम्पर्क से संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत कुछ कृषक बन्धुओं के प्रक्षेत्रों का दौरा भी निदेशक महोदय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशासनिक भवन की आधारशिला भी रखी गयी, जिसमें संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री सुशील कुमार सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ एवं प्रभारी इंजीनियर मनोज कुमार व कृषक महिलायें एवं सभी कृषक बंधु भी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम की रुपरेखा, सञ्चालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ एवं प्रभारी इंजीनियर मनोज कुमार द्वारा किया गया।